इस बुधवार बिकी 286 सम्पत्तियां, मंडल को मिला 41 करोड़ रूपये का राजस्व

योजना के तहत 1681 व्यावसायिक सम्पत्तियों में से पहले बुधवार को बिकी 185 सम्पत्तियां, मिला 26 करोड़ 57 लाख रूपये का राजस्व

जलतेदीप कार्स, जयपुर

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि यह बुधवार मंडल के लिए बम्पर बुधवार रहा। मंडल द्वारा स्वरोजगार के लिए लॉंच की गई, अपनी दुकान-अपना व्यवसाय योजना में लोगों को भारी उत्साह देखने को मिला। इस योजना में पहले बुधवार को ही 1681 व्यावसायिक सम्पत्तियों में से 185 सम्पत्तियां बिक गई, जिससे मंडल को 26 करोड़ 57 लाख रूपये का राजस्व मिला। इसके साथ ही बुधवार नीलामी उत्सव के तहत 101 सम्पत्तियां बिकी, जिससे मंडल को 14 करोड़ 25 लाख रूपये का राजस्व मिला। उल्लेखनीय है कि कुल मिलाकर इस बुधवार मंडल की 286 सम्पत्तियां बिकी, जिससे 41 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। अरोड़ा ने बताया कि इस योजना में जयपुर वृत्त प्रथम में 26 लाख 07 हजार रूपये मूल्य की 3 सम्पत्तियां और जयपुर वृत्त द्वितीय में 27 लाख 76 हजार रूपये मूल्य की 2 सम्पत्ति बिकी। इसी तरह जोधपुर वृत्त प्रथम और द्वितीय में 1 करोड़ 47 लाख रूपये मूल्य की 11 सम्पत्तियां बिकी। उन्होंने बताया कि कोटा वृत्त में 2 करोड़ 45 लाख रूपये मूल्य की 23 सम्पत्तियां, बीकानेर वृत्त में 98 लाख 62 हजार रूपये मूल्य की 5 सम्पत्तियां, उदयपुर वृत्त में 5 करोड़ 17 लाख रूपये मूल्य की 28 सम्पत्तियां और अलवर वृत्त में 3 करोड़ 61 लाख रूपये मूल्य की 29 सम्पत्तियां बिकी।

जोधपुर की मधुबन योजना में 8 गुना कीमत पर बिकी 9 वर्ग मीटर की एक दुकान

पवन अरोड़ा ने बताया कि जोधपुर की मधुबन योजना में 9 वर्ग मीटर की एक दुकान जिसका न्यूनतम विक्रय मूल्य 6 लाख 75 हजार रूपये रखा गया था जबकि यह दुकान 49 लाख रूपये में बिकी। इस तरह यह दुकान 8 गुना कीमत पर बिकी। इसी योजना में 9 वर्ग मीटर की दूसरी दुकान जिसका न्यूनतम विक्रय मूल्य 6 लाख 30 हजार रूपये रखा गया था जबकि यह दुकान ढाई गुना कीमत पर 17 लाख 33 हजार रूपये में बिकी। उन्होंने बताया कि 'अपनी दुकान-अपना व्यवसाय' योजना में लोगों का भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। कोरोना काल में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए इस योजना में निर्मित दुकान और व्यावसायिक भूखंडों को ई-बिड सबमिशन और ई-ऑक्शन के माध्यम से बेचा जा रहा है। योजना के तहत 27 वर्गमीटर तक की दुकानों को ई-बिड सबमिशन और 27 वर्गमीटर से अधिक की दुकानों को ई-ऑक्शन के माध्यम से बेचा जा रहा है। इस बुधवार को ई-बिड सबमिशन से 172 व्यावसायिक सम्पतियां और ई-ऑक्शन से 13 सम्पतियां बिकी। अरोड़ा ने बताया कि लोगों का इस योजना में व्यावसायिक सम्पतियां खरीदने का उत्साह तो यहां तक है कि वो किसी भी कीमत पर प्राइम लोकेशन पर स्थित इन व्यावसायिक सम्पतियों को छोड़ना नहीं चाहते। इस बुधवार को योजना के तहत इन सम्पतियों को खरीदने के लिए लोगों ने निर्धारित बिक्री मूल्य से दो से तीन गुना दरों पर भी इन सम्पतियों को खरीदा। उल्लेखनीय है कि अपनी दुकान-अपना व्यवसाय योजना मुख्यमंत्री जी द्वारा एक सप्ताह पहले ही लॉंच की गई थी और पहले ही बुधवार को लगभग 27 करोड़ रूपये की 185 दुकानें बिक गई और इस तरह आवासन मण्डल की स्वरोजगार को बढ़ावा देने की यह योजना पहले ही दिन सफल हो गई है। इसी तरह बुधवार नीलामी उत्सव के तहत जयपुर वृत प्रथम में 71 लाख 25 हजार रूपये मूल्य की 3 सम्पतियां और जयपुर वृत तृतीय में 67 लाख 21 हजार रूपये मूल्य की 4 सम्पतियां बिकी। इसी तरह जोधपुर वृत प्रथम और द्वितीय में 1 करोड़ 21लाख रूपये मूल्य की 9 सम्पतियां बिकी। उन्होंने बताया कि कोटा वृत में 1 करोड़ 71 लाख रूपये मूल्य की 21 सम्पतियां, बीकानेर वृत में 16 लाख 77 हजार रूपये मूल्य की 2 सम्पतियां, उदयपुर वृत में 1 करोड़ 46 लाख रूपये मूल्य की 12 सम्पतियां और अलवर वृत में 3 करोड़ 34 लाख रूपये मूल्य की 32 सम्पतियां बिकीं।